पाठ 16
संधि

प्र० क - 'संधि' तथा 'संधि-विच्छेद' से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट करो।

उ० - निकटवर्ती दो वर्णों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं तथा जब जुड़े हुए वर्णों को एक-दूसरे से अलग किया जाता है, तो वह संधि-विच्छेद कहलाता है। जैसे -

संधि - हिम + आलय = हिमालय

संधि-विच्छेद - हिमालय - हिम + आलय

प्र० ख - संधि के कितने भेद होते हैं ? सभी की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ० - संधि के तीन भेद होते है -

i) स्वर संधि
ii) व्यंजन संधि
iii) विसर्ग संधि

i) स्वर संधि - दो स्वरों के मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं। जैसे -

विद्या + आलय = विद्यालय

ii) व्यंजन संधि - व्यंजन के आगे स्वर या व्यंजन आने से जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं; जैसे - सत् + जन = सज्जन

iii) विसर्ग संधि - विसर्ग के पश्चात स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग में जो परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं। जैसे -

मनः + बल = मनोबल

प्र॰ग - स्वर संधि के कितने भेद होते है ? सभी के नाम दो-दो उदाहरणो सहित लिखो ।

उ॰ - स्वर संधि के पाँच भेद होते है —

1) दीर्घ संधि (i) पर + अधीन = पराधीन (ii) सु + उक्ति = सूक्ति
2) गुण संधि (i) सुर + ईश = सुरेश (ii) हित + उपदेश = हितोपदेश
3) वृद्धि संधि (i) सदा + एव = सदैव (ii) लठ + ऐत = लैठैत
4) यण संधि (i) अभि + अर्थी = अभ्यर्थी (ii) सु + अल्प = स्वल्प
5) अयादि संधि (i) चे + अन = चयन (ii) पौ + अक = पावक

आपने क्या सीखा?

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

(क) 'संधि' तथा 'संधि-विच्छेद' से आप क्या समझते हैं? उदाहरण द्वारा स्पष्ट करो।

(ख) संधि के कितने भेद होते हैं? सभी की परिभाषा उदाहरण सहित दो।

(ग) स्वर संधि के कितने भेद होते हैं? सभी के नाम दो-दो उदाहरणों सहित लिखो।

2. संधि करो तथा नाम भी लिखो–

संधि-विच्छेद				संधि	नाम
(क) मत	+ ऐक्य	=		मतैक्य	वृद्धि संधि
(ख) वधू	+ उत्सव	=		वधूत्सव	दीर्घ संधि
(ग) हिम	+ आद्रि	=		हिमाद्रि	दीर्घ संधि
(घ) प्राण	+ आयाम	=		प्राणायाम	दीर्घ संधि
(ङ) गुरु	+ उपदेश	=		गुरूपदेश	दीर्घ संधि

3. संधि-विच्छेद करो–

(क) वनौषध = वन + औषध

(ख) अत्यंत = अति + अंत

(ग) हितोपदेश = हित + उपदेश

(घ) सदैव = सदा + एव

(ङ) सज्जन = सत् + जन

4. दिए गए प्रश्नों में सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाओ–

(क) दो स्वरों के मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे कहते हैं–

(अ) स्वर संधि ☑ (ब) व्यंजन संधि ☐ (स) विसर्ग संधि

(ख) 'स्वागतम्' शब्द का संधि-विच्छेद होगा–

(अ) स्व + आगतम् ☐ (ब) सु + आगतम् ☑ (स) स्वागत + म्

(ग) 'ङ्', 'ञ्', 'ण्', 'म्', 'न्' ये वर्ण हैं–

(अ) तृतीय वर्ण ☐ (ब) चतुर्थ वर्ण ☐ (स) पंचम वर्ण ☑

VIII

पाठ 17 — शब्द रचना

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो -

क) शब्द रचना से क्या तात्पर्य है ? समझाकर लिखो।

उ०) शब्द रचना से तात्पर्य है - "शब्दों के निर्माण की प्रक्रिया।" किसी भी भाषा के शब्द भंडार को बढ़ाने के लिए जो उपाय अपनाए जाते है, उन उपायों के अंतर्गत उपसर्ग, प्रत्यय और समास का प्रयोग किया जाता है।

ख) उपसर्ग किसे कहते हैं ? उदाहरण देकर समझाओ।

उ०) वे शब्दांश जो किसी भी शब्द के पूर्व में जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं; जैसे - अप + कीर्ति = अपकीर्ति

ग) हिंदी में प्रयुक्त किए जाने वाले उपसर्गों को कितने भागों में बाँटा जा सकता है ? सभी के दो-दो उदाहरण लिखो।

उ०- हिंदी में प्रयुक्त उपसर्गों को चार भागों में बाँटा जा सकता है

(i) संस्कृत उपसर्ग - अनु + गमन = अनुगमन

(ii) हिंदी उपसर्ग -

(iii) विदेशी उपसर्ग -

(iv) उपसर्ग की तरह प्रयुक्त अव्यय -

उदाहरण - 1) अनु + गमन = अनुगमन
अव + नति = अवनति

2) अन + जान = अनजान
स + पूत = सपूत

3) कम + जोर = कमजोर

Date
Page

बद + नाम = बदनाम

4) अलम् + करण = अलंकरण

बहिः + कार = बहिष्कार

घ) प्रत्यय किसे कहते हैं ? ये कितने प्रकार के होते हैं ?

उ० – जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं। प्रत्यय मुख्पतः दो प्रकार के होते हैं

ङ) प्रत्यय के भेदों की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ० – प्रत्यय के मुख्पतः दो भेद होते हैं – कृत प्रत्यय और तद्धित प्रत्यय।

(I) कृत प्रत्यय – जो प्रत्यय क्रिया के मूल धातुरूप के साथ लगकर संज्ञा या विशेषणों की रचना करते हैं, वे कृत प्रत्यय कहलाते हैं। जैसे – लिख् + आई = लिखाई

(II) तद्धित प्रत्यय – जो प्रत्यय शब्द संज्ञा, सर्वनाम अथवा विशेषण शब्द के अंत में लगकर नए शब्द बनाते हैं, वे तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। जैसे – भूख + आ = भूखा

2- उपसर्ग की भिन्नता वाले शब्दों का चयन करो।

(क) अनु-

(अ) अनुशासन ☐ (ब) अद्भुत ☑ (स) अनुचित ☐ (द) अनुदान ☐

(ख) दुस्-

(अ) दुष्कर्म ☐ (ब) दुस्साहस ☐ (स) दुष्कर ☐ (द) दुर्व्यवहार ☑

(ग) उत्-

(अ) उत्साह ☐ (ब) उपदेश ☑ (स) उत्कंठा ☐ (द) उत्कर्ष ☐

(घ) अन-

(अ) अनजान ☐ (ब) अनमोल ☐ (स) अवगुण ☑ (द) अनदेखा ☐

3. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग अलग करके लिखो–

	शब्द	उपसर्ग
(क)	निहत्था	नि + हत्था
(ख)	अधःपतन	अधः + पतन
(ग)	उत्कर्ष	उत् + कर्ष
(घ)	निस्संकोच	निः + संकोच / निस् + संकोच
(ङ)	निडर	नि + डर

4. शब्द और प्रत्यय के जोड़े के सही विकल्प का चयन करो–

शब्द

(क) पूजा-

(अ) पूजा + आ ☐ (ब) पूज् + आ ☑ (स) पू + जा ☐

(ख) सामाजिक-

(अ) सामाजि + क ☐ (ब) समाज + ईक ☐ (स) समाज + इक ☑

(ग) ऋषि-

(अ) ऋ + षि ☐ (ब) ऋष् + इ ☑ (स) ऋष् + ई ☐

(घ) देवरानी-

(अ) देवर + आनी ☑ (ब) देवरा + नी ☐ (स) देव + रानी ☐

(ङ) टहलना-

(अ) टहल् + अना ☐ (ब) टहलन + आ ☐ (स) टहल + ना ☑

5. दिए गए प्रश्नों में सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाओ–

(क) जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर नए शब्द का निर्माण करते हैं, उन्हें कहते हैं–

(अ) उपसर्ग ☐ (ब) प्रत्यय ☑ (स) अव्यय ☐

(ख) 'अनुज्ञा' में उपसर्ग है–

(अ) अ ☐ (ब) अनु ☑ (स) आ ☐

(ग) 'उपजाऊ' में प्रत्यय है–

(अ) उप ☐ (ब) जाऊ ☐ (स) आऊ ☑

पाठ 18
समास

प्र०क- समास किसे कहते है ? उदाहरण देते हुए समझाकर लिखो ।

उ०- जब दो या दो से अधिक पदों के बीच की विभक्ति अथवा योजक पदों को हटाकर एक नया शब्द बनाया जाता है, तो उस संक्षिप्त पद को समास कहा जाता है। जैसे - 'यश को प्राप्त' का समास हुआ - 'यशप्राप्त'।

प्र०ख- समस्त पद, समास - विग्रह, पूर्व पद तथा उत्तर पद से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण सहित लिखो।

उ०- समस्त पद - समास के नियमों से मिले हुए शब्द समूह को समस्त पद कहते हैं, जैसे - चतुरानन ।

समास - विग्रह - समस्त पदों को अलग करने की विधि को समास - विग्रह कहते है। जैसे - चार है आनन जिसके ।

पूर्व पद और उत्तर पद - समास के लिए कम से कम दो पद होने चाहिए । पहले पद को पूर्व पद तथा दूसरे पद को उत्तर पद कहते हैं, जैसे - प्रतिदिन । इसमें प्रति पूर्व पद है तथा दिन उत्तर पद है।

प्र०ग- समास कितने प्रकार के होते है ? सभी के नाम लिखो ।

उ०- समास छह प्रकार के होते हैं —

1) अव्ययीभाव समास

2) तत्पुरुष समास
3) कर्मधारय समास
4) द्विगु समास
5) द्वंद्व समास
6) बहुव्रीहि समास

प्र०व- तत्पुरुष समास किसे कहते हैं? इसके कितने भेद होते हैं? सभी के नाम लिखो।

उ०- जिस समास में दूसरा पद प्रधान हो और समास करने पर कारक चिह्न का लोप हो जाए, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। इसके छह भेद होते हैं —

1) कर्म तत्पुरुष
2) करण तत्पुरुष
3) सम्प्रदान तत्पुरुष
4) अपादान तत्पुरुष
5) संबंध तत्पुरुष
6) अधिकरण तत्पुरुष

2. निम्नलिखित समस्तपद समास के किस भेद के उदाहरण हैं? सही विकल्प का चयन करो–

समस्तपद				
(क) [illegible]	(अ) कर्मधारय	✓	(ब) तत्पुरुष	☐
(ख) [illegible]	(अ) द्विगु	☐	(ब) बहुब्रीहि	✓
(ग) जीवनसाथी	(अ) तत्पुरुष	✓	(ब) द्वंद्व	☐
(घ) लाभ हानि	(अ) द्वंद्व	✓	(ब) द्विगु	☐
(ङ) पंचवटी	(अ) अव्ययीभाव	☐	(ब) द्विगु	✓

3. निम्नलिखित विग्रहों के समस्तपद बनाकर नाम लिखो–

विग्रह	समस्तपद	नाम
(क) चार मुख हैं जिसके	चतुर्मुख	बहुब्रीहि समास
(ख) पुरुषों में उत्तम	पुरुषों में उत्तम	अधिकरण तत्पुरुष
(ग) धन से रहित	धन रहित	अपादान तत्पुरुष
(घ) स्वर्ग को गया हुआ	स्वर्गगत	कर्म तत्पुरुष
(ङ) मन को हरने वाला	मनोहर	कर्म तत्पुरुष

4. निम्नलिखित वाक्यों में समास निर्देश करो–

(क) गणेश जी को <u>लंबोदर</u> भी कहा जाता है। — बहुब्रीहि समास

(ख) जीवन में <u>लाभ-हानि</u> सब ईश्वर के अधीन है। — द्वंद्व समास

(ग) मेरी <u>आज्ञानुसार</u> कार्य करो। — संबंध तत्पुरुष

(घ) आपने <u>मनोहर</u> चित्र बनाया है। — कर्म तत्पुरुष

(ङ) गाँधीजी ने <u>सत्याग्रह</u> आंदोलन प्रारंभ किया। — संप्रदान तत्पुरुष

5. दिए गए प्रश्नों में सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाओ–

(क) 'भयमुक्त' का विग्रह होगा–

(अ) भय और मुक्त ☐ (ब) भय से मुक्त ✓ (स) भय को मुक्त ☐

(ख) संप्रदान तत्पुरुष में लोप होता है–

(अ) ने ☐ (ब) के लिए ✓ (स) से अलग ☐

(ग) समास के नियमों से बने हुए शब्द समूह को कहते हैं–

(अ) समस्तपद ✓ (ब) पूर्वपद ☐ (स) उत्तरपद ☐

पाठ 19
अलंकार

प्र०क- अलंकार का क्या तात्पर्य है ? समझाकर लिखो।

उ०- ☆ जिन तत्वों से काव्य को अलंकृत किया जाता है, उन्हें अलंकार कहते हैं।
☆ अलंकार का तात्पर्य है - आभूषण। अतः

प्र०ख- अलंकार के भेदों के विषय में विस्तार से बताओ।

उ०- काव्य की सौंदर्य वृद्धि में शब्द और अर्थ दोनों सहायक होते हैं। जहाँ शब्द के कारण काव्य में सौंदर्य उत्पन्न होता है, वहाँ शब्दालंकार होता है। जहाँ अर्थ के कारण काव्य में सौंदर्य उत्पन्न होता है, वहाँ अर्थालंकार होता है। इस प्रकार मुख्य रूप से अलंकार दो प्रकार के होते हैं।

प्र०ग- शब्दालंकार के कितने भेद होते हैं ? श्लेष तथा यमक अलंकार में क्या अंतर होता है ? स्पष्ट करो।

उ०- शब्दालंकार के मुख्य रूप से तीन भेद हैं।

1. अनुप्रास अलंकार
2. यमक अलंकार
3. श्लेष अलंकार

श्लेष और यमक अलंकार में अंतर —
जहाँ एक शब्द के एक से अधिक अर्थ निकलें, वहाँ श्लेष अलंकार होता है तथा जहाँ एक शब्द बार-बार आए, किंतु उसका अर्थ बदल जाए, वहाँ यमक अलंकार होता है।
उदाहरण —

श्लेष - सुबरन को खोजत फिरत कवि, व्यभिचारी, चोर ।

यमक - कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय
या खाए बौरात जग वा पाए बौराय ।।

प्र०च- उपमा अलंकार के कितने अंग होते हैं ?

उ०- उपमा अलंकार के चार अंग होते हैं —

1. उपमान
2. उपमेय
3. वाचक शब्द
4. साधारण धर्म

प्र०ड०- उत्प्रेक्षा अलंकार को उदाहरण सहित स्पष्ट करो ।

उ०- जहाँ समान गुण के आधार पर उपमेय में उपमान की संभावना की जाए, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है । जैसे —

सोहत ओढ़े पीत पटु, स्याम सलोने गात ।
मनो नीलमणि सैल पर, आतप पर्‌यो प्रभात ।।

आपने क्या सीखा ?

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

(क) अलंकार का क्या तात्पर्य है? समझाकर लिखो।

(ख) अलंकार के भेदों के विषय में विस्तार से बताओ।

(ग) शब्दालंकार के कितने भेद होते हैं? श्लेष तथा यमक अलंकार में क्या अंतर होता हैं? स्पष्ट करो।

(घ) उपमा अलंकार के कितने अंग होते हैं?

(ङ) उत्प्रेक्षा अलंकार को उदाहरण सहित स्पष्ट करो।

2. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताओ–

(क) नभ मंडल छाया मरुस्थल-सा। — उपमा अलंकार

(ख) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रहीं जल-थल में। — अनुप्रास अलंकार

(ग) कहै कवि बेनी-बेनी ब्याल की चुराय लीनी। — यमक अलंकार

(घ) पीपर पात सरिस मन डोला। — उपमा अलंकार

(ङ) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो। — रूपक अलंकार

3. दिए गए अलंकारों के एक-एक उदाहरण लिखो–

(क) अनुप्रास — चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही हैं जल-पल में।

(ख) उपमा — निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है।

(ग) रूपक — चरण कमल बंदौं हरिराई।

(घ) यमक — तीन बेर खाती थी वह तीन बेर खाती है।

4. दिए गए प्रश्नों में सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाओ–

(क) अलंकार का अर्थ है–

(अ) शोभा ☐ (ब) आभूषण ☑ (स) सौंदर्य ☐

(ख) जहाँ किसी वर्ण की आवृत्ति बार-बार होती है, वहाँ अलंकार होता है–

(अ) अनुप्रास ☑ (ब) यमक ☐ (स) उत्प्रेक्षा ☐

(ग) 'सीता का मुख चंद्रमा के समान सुंदर है' वाक्य में 'चंद्रमा' क्या है?

(अ) उपमेय ☐ (ब) उपमान ☑ (स) वाचक शब्द ☐

पाठ 2।
विराम चिह्न

प्र०क- विराम चिह्न से आप क्या समझते हैं? इसका प्रयोग क्यों किया जाता है?

उ०- विराम का अर्थ है- रुकना। जब हम किसी से बातचीत करते हैं तो आवश्यकतानुसार हम कहीं-कहीं पर रुकते हैं तथा हमारी आवाज में उतार-चढ़ाव भी आता रहता है। भाषा को लिखते समय इनकी पूर्ति कुछ चिह्नों द्वारा की जाती है, इन्हीं चिह्नों को विराम चिह्न कहते हैं।

प्र०ख- अल्प विराम का चिह्न बताते हुए लिखो कि इनका प्रयोग किन स्थितियों में किया जाता है?

उ०- वाक्य के अंदर अल्पकालीन विराम के लिए अल्प विराम (,) चिह्न का प्रयोग होता है। इसका प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में किया जाता है—

1. योजकहीन दो से अधिक सजातीय शब्दों के बीच में। जैसे-
   निखिल, अखिल, अनिल और रमेश खेल रहे हैं।
2. वाक्य में जहाँ सबसे कम रुकना पड़ता है। जैसे-
   मैंने उस व्यक्ति को देखा, जो पीड़ा से कराह रहा था।
3. निषेध सूचक 'नहीं' और स्वीकार सूचक 'हाँ' के बाद। जैसे-
   i) नहीं, तुम खेलने मत जाओ।
   ii) हाँ, मैंने खाना खा लिया।

3) निम्नलिखित विराम चिह्नों के उपयोग पर प्रकाश

डालो ।

क) उद्धरण चिह्न - किसी के कथन को उसी के शब्दों में प्रकट करने के लिए उद्धरण चिह्न ("--") का प्रयोग किया जाता है। ये चिह्न दो प्रकार के होते होते हैं — दोहरे उद्धरण चिह्न ("--") तथा इकहरे उद्धरण चिह्न ('--')। जैसे - दोहरा उद्धरण चिह्न - बाल गंगाधर तिलक ने कहा - "स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।"

इकहरा उद्धरण चिह्न - 'संधि' का अर्थ है - 'जोड़'

ख) कोष्ठक चिह्न - (i) वाक्य में आए किसी शब्द का अर्थ बताने के लिए कोष्ठक का प्रयोग किया जाता है ✱

(ii) वर्गीकृत विवरण में वर्गों की संख्या को कोष्ठक में रखा जाता है - जैसे - (अ) और (ब)

✱ जैसे - तद्भव का शाब्दिक अर्थ है - तत् (उससे) + भव (उत्पन्न)

ग) लाघव चिह्न - किसी शब्द को सक्षेप में लिखने के लिए प्रथम अक्षर लिखने के बाद लाघव चिह्न लगाया जाता है। जैसे - पं० - पंडित

घ प्रश्नवाचक चिह्न - प्रश्नवाचक वाक्य की समाप्ति पर प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे - तुम्हारा क्या नाम है ?

ङ. निर्देशक चिह्न - इसका प्रयोग निम्नलिखित स्थितियों में किया जाता है। जैसे —

(i) गेहूँ निम्नलिखित स्थानों में पैदा होता है — पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश आदि।

(ii) कृष्णा ने कहा - "मैं खेलने जाऊँगा।"

2. निम्नलिखित वाक्यों के साथ उपयुक्त विराम चिह्न लगाओ–

(क) टी०वी० का आविष्कार सन् 1925 में हुआ ।

(ख) भारत के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे ?

(ग) हमें हार-जीत में एक समान रहना चाहिए।

(घ) सुभाषचंद्र बोस ने कहा, "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा ।"

(ङ) अहा! कितना सुंदर दृश्य है ।

3. निम्नलिखित विराम चिह्नों के उपयोग पर प्रकाश डालो–

(क) उद्धरण चिह्न (" ")

(ख) कोष्ठक चिह्न(( ))

(ग) लाघव चिह्न (०)

(घ) प्रश्नवाचक चिह्न (?)

(ङ) निर्देशक चिह्न (–)